विधि शब्दावली

LEGAL GLOSSARY

2001

भारत सरकार
विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय
(विधायी विभाग)
राजभाषा खंड

© भारत सरकार
विधायी विभाग
राजभाषा खंड

P.L.D.— 212 (Dig.)
29,600-2001-DSK-IV

पहला संस्करण	:	1970--12,500
दूसरा संस्करण	:	1979--30,000
तीसरा संस्करण	:	1983--34,000
चौथा संस्करण	:	1988--50,000
पांचवां संस्करण	:	1992--27,600
छठा संस्करण	:	2001--29,600

विक्रेता--(1) प्रकाशन और विक्रय प्रबंधक, विधि साहित्य प्रकाशन, भारत सरकार, भारतीय विधि संस्थान भवन, भगवानदास मार्ग, नई दिल्ली-110 001.

(2) प्रकाशन-नियंत्रक, भारत सरकार, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110 054.

2001

प्रकाशन-नियंत्रक, भारत सरकार, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110 054 द्वारा प्रकाशित तथा प्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिंटो रोड़, नई दिल्ली-110 002 द्वारा मुद्रित ।

विधि शब्दावली

विषय सूची

	पृष्ठ सं०
छठे संस्करण की भूमिका	v
भाग 1 : अंग्रेजी-हिंदी	1
भाग 2 : लेटिन-हिंदी	375
भाग 3 : हिंदी-अंग्रेजी	383
भाग 4 : अरबी-फारसी शब्दों के पर्याय	577
भाग 5 : विधिशास्त्र में प्रयुक्त शब्द	603
भाग 6 : सीमाशुल्क और उत्पाद-शुल्क से संबंधित शब्दावली	635
भाग 7 : नए जोड़े गए शब्द, पद और अभिव्यक्तियां	681
भाग 8 : केंद्रीय अधिनियम	695
परिशिष्ट	717
देवनागरी लिपि तथा हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण	736

LIST OF ABBREVIATIONS USED

A.I.R.	.....	All India Reporter
app.	.....	appendix
art.	.....	article
B.S.F. Act	.....	Border Security Force Act, 1968
C.E.T.	.....	Central Excise Tariff Act, 1985
COFEPOSA	.....	Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974
C.T.	.....	Customs Tariff Act, 1975
ch.	.....	chapter
cl.	.....	clause
col.	.....	column
Const.	.....	Constitution of India
C.P.C.	.....	Code of Civil Procedure, 1908
Cr. P.C.	.....	Code of Criminal Procedure, 1973
e.g.	.....	for example
excep.	.....	exception
expln.	.....	explanation
fig.	.....	figure
gen.	.....	general
hdg.	.....	heading
i.e.	.....	that is
ill.	.....	illustration
I.P.C.	.....	Indian Penal Code
M.R.T.P. Act	.....	Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969
NSG Act	.....	National Security Guard Act, 1986
No.	.....	Number
Or.	.....	Order
para	.....	paragraph
prov.	.....	proviso
pt.	.....	part
r.	.....	rule
RBI Act	.....	Reserve Bank of India Act, 1934
s.	.....	section
SAARC Act	.....	SAARC Convention (Suppression of Terrorism) Act, 1993
sch.	.....	schedule
ss.	.....	sections
T.P. Act	.....	Transfer of Property Act, 1882
UGC Act	.....	University Grants Commission Act, 1956
U.P.	.....	Uttar Pradesh
V.	.....	Versus

छठे संस्करण की भूमिका

राजभाषा खंड को जो कार्य सौंपे गए हैं उनमें से एक महत्वपूर्ण कार्य मानक विधि शब्दावली तैयार करना और प्रकाशित करना है । यह एक सतत प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत इसके पुनरीक्षित संस्करण समय-समय पर प्रकाशित किए जाते रहे हैं । इस कार्य को राजभाषा खंड भलीभांति संपन्न करता रहा है । अब तक इसके पांच संस्करण प्रकाशित किए जा चुके हैं । पहला संस्करण वर्ष 1970 में, दूसरा संस्करण वर्ष 1979 में, तीसरा संस्करण वर्ष 1983 में, चौथा संस्करण वर्ष 1988 में और पांचवां संस्करण वर्ष 1992 में प्रकाशित किया गया था । इसके पहले संस्करण में केवल बीस हजार प्रविष्टियां थीं जो पांचवें संस्करण तक बढ़कर साठ हजार हो गईं ।

यह प्रसन्नता की बात है कि विधि शब्दावली की मांग निरंतर बढ़ती जा रही है । यह विधि के क्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग के लिए शुभसूचक तो है ही, साथ ही यह इस बात का भी द्योतक है कि यह न्यायाधीशों, विधिवेत्ताओं, वकीलों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी है । पांचवें संस्करण की एक भी प्रति उपलब्ध न होने के कारण कुछ हलकों से इसे शीघ्र उपलब्ध कराने की निरंतर मांग हो रही थी, पर कुछ अपरिहार्य कठिनाइयों के कारण राजभाषा खंड के लिए इसे शीघ्र प्रकाशित कराना संभव नहीं हो सका ।

विधि शब्दावली के अब तक प्रकाशित पांच संस्करणों में उन्हीं शब्दों, पदों और अभिव्यक्तियों को संकलित किया गया है जो केन्द्रीय अधिनियमों, आदि का अनुवाद करते समय अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्याय संदर्भ विशेष के अनुसार तय किए गए हैं। एक अंग्रेजी शब्द के कई अर्थ हो सकते हैं, पर इनमें वही अर्थ लिया गया है जो किसी विधि में प्रयुक्त शब्द का संदर्भ के अनुसार है ।

पांचवें संस्करण और छठे संस्करण के बीच काफी अंतराल है । इस दौरान कई नए केन्द्रीय अधिनियम बन चुके हैं जो विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों से संबंधित हैं । इस छठे संस्करण में, भाग 7 में इन केन्द्रीय अधिनियमों और अन्य विधियों में प्रयुक्त विधिक या तकनीकी प्रकृति के शब्दों, पदों और अभिव्यक्तियों को सम्मिलित किया गया है । इसके साथ ही, इसमें ऐसे शब्दों, पदों और अभिव्यक्तियों को भी सम्मिलित किया गया है जो पूर्व प्रकाशित और प्राधिकृत केन्द्रीय अधिनियमों में हैं पर उन्हें पिछले संस्करणों में सम्मिलित नहीं किया जा सका है । इसके अतिरिक्त, इसमें कुछ ऐसे शब्दों, पदों और अभिव्यक्तियों को भी स्थान दिया गया है जिनका प्रयोग विधि साहित्य प्रकाशन (विधायी विभाग) द्वारा प्रकाशित निर्णय पत्रिकाओं में किया जा रहा है । होना तो यह चाहिए था कि इन शब्दों, पदों और अभिव्यक्तियों को पृथक् भाग में न देकर पहले से ही संकलित शब्दों, पदों और अभिव्यक्तियों में समायोजित किया जाता, पर ऐसा करने के लिए एक लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता और विधि शब्दावली के प्रकाशन में और विलंब होता । इस संस्करण में केन्द्रीय अधिनियमों की सूची अद्यतन कर दी गई है, अर्थात् अब तक के सभी प्राधिकृत अधिनियमों को इस सूची में ले लिया गया है ।

इस संदर्भ में यह उद्धृत करना वांछनीय है कि शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया में जो सिद्धांत बुनियादी तौर पर अपनाए गए हैं उनकी चर्चा चौथे संस्करण की भूमिका में की गई है । प्रथम संस्करण की भूमिका भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है । संदर्भ के लिए इन दोनों भूमिकाओं को पांचवें संस्करण के समान ही इस संस्करण में भी परिशिष्ट के रूप में दिया जा रहा है ।

यह भी उद्धृत करना वांछनीय होगा कि इस संस्करण में नए केन्द्रीय अधिनियमों में प्रयुक्त विधिक या तकनीकी प्रकृति के शब्दों, पदों और अभिव्यक्तियों के हिन्दी पर्याय तय करते समय, भारत सरकार में विधायी विभाग के सचिव, डा. एस.सी. जैन के इस अमूल्य सुझाव का अनुसरण करने का प्रयास किया गया है कि हिन्दी पर्याय ऐसे हों जो सरल और सहज ही ग्राह्य हों ।

इस संस्करण में प्रयुक्त मानक विधि शब्दावली का अधिकाधिक प्रयोग ही इसकी सफलता की कुंजी मानी जाएगी । आशा है, छठे संस्करण के प्रकाशन से हम विधि के क्षेत्र में हिन्दी के उत्तरोत्तर विकास की दिशा में अग्रसर हो सकेंगे ।

नई दिल्ली,
1 जुलाई, 2001

सुन्दर लाल,
संयुक्त सचिव और विधायी परामर्शी,
राजभाषा खंड (विधायी विभाग),
भारत सरकार ।